वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 213 | शुक्रवार 1 दिसम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

अस्पतालों में खांसी जुकाम, श्वास और अस्थमा के मरीजों की भरमार, डेंगू का आंकड़ा 12 हजार पार

जयपुर. कासं। राज्य में एक महीने चली चुनावी हलचल के बीच मौसमी बीमारियों का ग्राफ भी तेजी से बढ़ता गया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी गत सप्ताह तक के आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ष डेंगू के मरीजों की संख्या 12829 तक पहुंच चुकी हैं। मौजूदा सप्ताह के आंकड़े जुड़ने के बाद यह संख्या करीब 15 हजार तक पहुंचने की आशंका है। मौसम में अचानक आए बदलाव के बाद मरीजों के आंकड़े में भारी उछाल आया है। अस्पतालों के आउटडोर में खांसी, जुकाम और बुखार के मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगी है। राजधानी के सवाईमानसिंह अस्पताल और जेकेलोन सहित प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेज अस्पताल और जिला अस्पतालों के आउटडोर में रोजाना 1500 से 4 हजार तक मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें करीब 50 से 80 प्रतिशत इन बीमारियों के हैं। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य इकाइयों की ओपीडी में निमोनिया और पेट दर्द की शिकायत भी बच्चों में बढ़ी है। प्रदेश में जयपुर और कोटा जिले डेंगू के गढ़ बने हुए हैं। दोनों जगह इसके मरीजों की संख्या 2-2 हजार से अधिक पहुंच चुकी है। प्रदेश में डेंगू से अब तक आधिकारिक मौत का आंकड़ा 6 बताया गया है। जिनमें 2 जयपुर सहित एक-एक दौसा, झुंझुनूं, कोटा और टोंक में हुई है। बीकानेर जिले से मिली जानकारी के मुताबिक यहां मलेरिया से दो की मौत हो चुकी है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह मौत शामिल नहीं है। राज्य में चिकनगुनिया के 184 मरीजों की पुष्टि हो चुकी है।

जेएलएफ के जयपुर म्यूजिक स्टेज में परफॉर्म करेंगे नामचीन सितारे

कवि अलिफ, प्रभ दीप, हरप्रीत और सलमान इलाही के म्यूजिक से गुलजार होगी राजधानी

जयपुर. कासं। ''जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल'' के 17वें संस्करण के लिए तैयारियां शुरू हो चुकी है। यहां आयोजित होने वाले जयपुर म्यूजिक स्टेज में देश के जाने-माने कलाकार परफॉर्म करते नजर आएंगे। जेएमएस में भारतीय उपमहाद्वीप के प्रतिभाशाली कलाकार प्रस्तुति देंगे, जो संगीत की विविध शैलियों और इतिहास को बयां करेंगे। जाने-माने गायक, गीतकार और कवि अलिफ (मोहम्मद मुनीम) पहली शाम को परफॉर्म करेंगे। अलिफ को बहुत से पुरस्कारों से नवाजा गया है, जिनमें से सिंगल ललनावत के लिए दादा साहेब फाल्के फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड, सिंगल लाइक ए सूफी के लिए आईआरएए अवॉर्ड और राइड होम के लिए आईआईएमए का 'बेस्ट फोक सॉन्ग' अवॉर्ड शामिल है। अलिफ हाल ही में कोक स्टूडियो भारत के सीजन 2 में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने क्या करे गाया था। इसके बाद द तापी प्रोजेक्ट के कलाकार परफॉर्म करेंगे। इसमें योगेन्द्र सानियावाला (बेसगिटार, गीतकार, रचनाकार), स्वाति मिनाक्सी (स्वर), गौरव कपाड़िया (ड्रम्स) और बीजू नाम्बिअर (कीबोर्ड, बेस और ड्रम्स) फोक, ट्रिप-हॉप, जैज और फोक इंस्ट्रूमेंट के साथ लोगों का दिल जीतेंगे। जेएमएस की दूसरी शाम को प्रभ दीप परफॉर्म करेंगे। दिल्ली में रहने वाले प्रभ दीप बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं, जिन्होंने सुरों के माध्यम से स्टोरी टेलिंग में अपनी अलग पहचान बनाई है। 'क्लास-सिख' दीप का आत्मकथात्मक प्रोजेक्ट है, लेकिन इसके क्राफ्ट और खूबसूरती ने बड़े पैमाने पर श्रोताओं को मोहित किया है। ऐसा ही प्रभाव उनके 'किंग' और 'तबिया' प्रोजेक्ट्स का भी रहा। फेस्टिवल की दूसरी शाम को द रीविजिट प्रोजेक्ट की भी प्रस्तुति होगी। इस बैंड की खासियत जैज की भिन्न रूपों में प्रस्तुति है।

जयपुर के बाद ग्वांगजू में होगी 'लैंप ऑफ द ईस्ट'

जयपुर आर्ट समिट की एग्जीबिशन में भारत और दक्षिण कोरिया के कलाकारों ने पेश की आर्ट

जयपुर. कासं

जयपुर आर्ट समिट की ओर से भारत और दक्षिण कोरिया के राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे होने पर आईटीसी राजपूताना की वैलकम आर्ट गैलरी में पिछले पांच दिनों से चल रही कला प्रदर्शिनी लैम्प ऑफ द ईस्ट का गुरुवार को समापन हुआ। जयपुर में कला के छात्रों और युवा कलाकारों के लिए कला प्रदर्शनी के दौरान हुईं कला चर्चाओं में पहले दिन प्रतिभागी कलाकारों ने अपनी अपनी कला यात्रा के बारे में बताया। दूसरे दिन दक्षिण कोरिया में समसामयिक कला के वर्तमान स्वरूप पर चर्चा हुई और तीसरे दिन प्रतिभागी

कलाकारों ने जयपुर के चित्रभूमि स्टूडियो का भ्रमण किया और शिल्पकार हंसराज चित्रभूमि से मूर्तिकला में जुगाड़ के महत्व पर प्रयोगात्मक चर्चा की। समापन कार्यक्रम के दौरान जयपुर आर्ट समिट के निदेशक डॉ शैलेन्द्र भट्ट ने बताया कि सृजन में मौलिकता कलाकार के व्यक्तित्व की एक ऐसी सुगंध है, जो उसे कला सृजन की ऊंचाइयों और आकर्षण से भर देती है। कला में मौलिकता का आधार कलाकार की दृष्टि में समाहित होता है यानि कलाकार किस प्रकार से अपने आसपास के परिवेश को देखता, समझता और अपने सृजन में देखने की दृष्टि से उपजी सृष्टि को रूप और स्वरूप प्रदान करता है, मौलिकता कहलाता है। दक्षिण कोरिया से आए कलाकारों ने अगले वर्ष ग्वांगजू अंतरराष्ट्रीय कला महोत्सव में फिर से मिलेंगे के संदेश के साथ सहभागी कलाकारों और कला प्रेमियों से विदाई ली। आईटीसी राजपूताना के जनरल मैनेजर दीपेंद्र राणा ने सभी प्रतिभागी कलाकारों को और आगंतुकों को धन्यवाद दिया। यह प्रदर्शनी डॉ. अमिता खरे और हेमराना की ओर से क्यूरेट की गई थी।

श्रीचमत्कारेश्वर महादेव मंदिर में भागवत कथा आज से

शूभारंभ पर आज निकलेगी महिलाओं की भव्य कलशयात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रीमती नर्बदी देवी शर्मा धर्मपत्नी विष्णु शर्मा की स्मृति में झोटवाड़ा रोड स्थित श्रीचमत्कारेश्वर महादेव मंदिर मे श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का शुभारंभ शुक्रवार को सुबह 8.30 बजे शिव पार्क,जनोपयांगी भवन के पास स्थित शिवमंदिर से कलष शोभायात्रा से होगा। 7 दिसम्बर तक चलने वाली इस ज्ञानयज्ञ में अनंत विभूषित काशीधर्म पीठाधीष्वर जगतगुरु शंकराचार्य श्रीस्वामी नारायणानंद तीर्थ जी महाराज अपने मुखारबिंदु से भागवत कथा का रसपान श्रद्धालुओं को कराएंगे। आयोजक हरीश-ज्योति शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को सुबह 8.30 बजे शिव पार्क,जनोपयांगी भवन के पास स्थित शिव मंदिर से कलश शोभायात्रा रवाना होकर कथा स्थल झोटवाड़ा रोड स्थित श्रीचमत्कारेष्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी,जहां पर विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। इसी दिन दोपहर में 2 बजे से मंदिर प्रांगण के तृतीय हॉल नर्बदेष्वर हॉल में अनंत विभूषित काशी धर्म पीठाधीष्वर जगतगुरु शंकराचार्य श्रीस्वामी नारायणानंद तीर्थ जी महाराज भागवत के महात्म्य पर विशेष प्रवचन देंगे। महोत्सव के तहत 2को श्रीशूकदेव चरित्र,तुलसी स्तुति,भीष्म स्तुति व परीक्षित चरित्र व 3को श्रीवराह अवतार,श्रीकपिलोख्यान, श्री शिवपार्वती चरित्र और ऋषभदेव अवतार की कथा सुनाएंगे। उन्होंने बताया कि ज्ञानयज्ञ के तहत 4 दिसम्बर को श्रीप्रहलाद चरित्र,समुद्र मंथन लीला,श्रीराम जन्मोत्सव के बाद भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत 5को श्रीकृष्ण बाल लीला,माखनचोरी लीला व गोवर्धन लीला व 6 को श्रीमहारास लीला,गोपी गीत व द्वारिका लीला की कथा सुनाएंगे। उन्होंने महोत्सव के अंतिम दिन 7 को श्रीनवयोगेष्वर संवाद, द्वादश स्कंध के बाद कथा की पूणार्हुति होगी। कथा रोजाना दोपहर 2 बजे से साम 5बजे तक होगी।

छोटी काशी में निंबार्क भगवान का बजा डंका, शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु

बच्चों में सनातन और सम्प्रदाय के संस्कार डालें: श्रीजी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

निंबार्क जयंती महोत्सव के उपलक्ष में गुरुवार को छोटी काशी जयपुर में जगतगुरु श्री श्रीजी महाराज के सानिध्य में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभा यात्रा में प्रदेश और देश की अनेक महत्वपूर्ण पीठों और मंदिरों के संत और महंतों के अलावा बड़ी संख्या में निम्बार्क वैष्णव जन सम्मलित हुए। शोभायात्रा चादनी चौक स्थित श्री आनन्द कृष्ण बिहारी जी के मन्दिर से रवाना होकर जयपुर के मुख्य मार्ग त्रिपोलिया बाजार, जौहरी बाजार, बापू बाजार, चौड़ा रास्ता होते हुए वापस श्री आनन्द कृष्ण बिहारी जी के मन्दिर पहुंच कर सम्पन्न हुई। शोभायात्रा में बैंड बाजा और हाथी- घोड़े के लवाजमे के साथ बग्घी में विराजमान श्रीजी महाराज और संत वृंदों का अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्प बरसा कर स्वागत किया। शोभायात्रा में अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं ने स्वागत द्वार बनाए, अनेक जगह श्रद्धालुओं ने श्रीजी महाराज की पूजा- अर्चना की। संपूर्ण शोभायात्रा में भक्तजन सुमधुर भक्ति संगीत के साथ नाचते- गाते और बजाते हुए भाव विभोर होकर चले। तत्पश्चात पूज्य श्री श्रीजी महाराज ने मंदिर में आयोजित धर्म सभा में अपने आशीर्वचन में वैष्णव जनों से छोटे बच्चों से लेकर युवा वर्ग में सनातन और संप्रदाय की रीति नीति के संस्कार डालने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सौभाग्य से हम सृष्टि के सबसे बड़े वैष्णव संप्रदाय में जुड़े हुए हैं। ऐसे में हमारा कर्तव्य बनता है कि नई पीढ़ी को संस्कारी बनाएं। इसके लिए उसे नित्य कर्म और संध्या वंदन के साथ ठाकुर सेवा से जोड़ने की सीख दी जाए।

भव्य पंचकल्याणक एवं महामस्तकाभिषेक आयोजन के पोस्टर का विमोचन निवाई में हुआ

चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज के सानिध्य में होगा महामस्तकाभिषेक

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। भगवान आदिनाथ जिनबिम्ब एवं 72 जिनालय पंच कल्याणक प्रतिष्ठा तथा महा मस्तकाभिषेक महोत्सव 22 फरवरी से 28 फरवरी 2024 तक शीतलतीर्थ धामनोद बांसवाड़ा रोड रतलाम में आयोजित होने वाले महा महोत्सव के पोस्टर का विमोचन निवाई में किया गया जिसमें गुरुवार को जैन सोशल ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष हंसमुख गांधी इन्दौर, महामहोत्सव की अधिष्ठात्री डाक्टर सविता को जैन,दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप प्रज्ञा निवाई के अध्यक्ष एवं जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा, कार्यक्रम संयोजक सन्मति चंवरिया कमलेश देवी चंवरिया, नेमीचंद चेतन कुमार गंगवाल, विष्णु कुमार राहुल जैन बोहरा, सुशील कुमार नीरा जैन अर्हम इण्डस्टीज, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप के मंत्री विमल जौंला, सुनील भाणजा, सुकुमाल चंवरिया महिपाल जैन मोहित चंवरिया निवाई जैन समाज के श्रद्धालुओं ने पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं महा मस्तकाभिषेक महोत्सव की आमंत्रण पत्रिका एवं पोस्टर का विमोचन कर कलश आवंटन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि कार्यक्रम के पुण्याजर्क परिवार के नेतृत्व में आगामी आयोजित होने वाले चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज के सानिध्य में होने वाले शीतलतीर्थ कार्यक्रम में निवाई से सैकड़ों श्रद्धालु शामिल होंगे। जौंला ने बताया कि जैन सोशल ग्रुप के हंसमुख गांधी एवं कार्यक्रम की संचालिका एवं अधिष्ठात्री डाक्टर सविता जैन का एक दिवसीय दौरे के दौरान गुरुवार को निवाई पहुंचने पर जैन सोशल ग्रुप प्रज्ञा निवाई एवं जैन समाज के श्रद्धालुओं ने स्वागत किया।

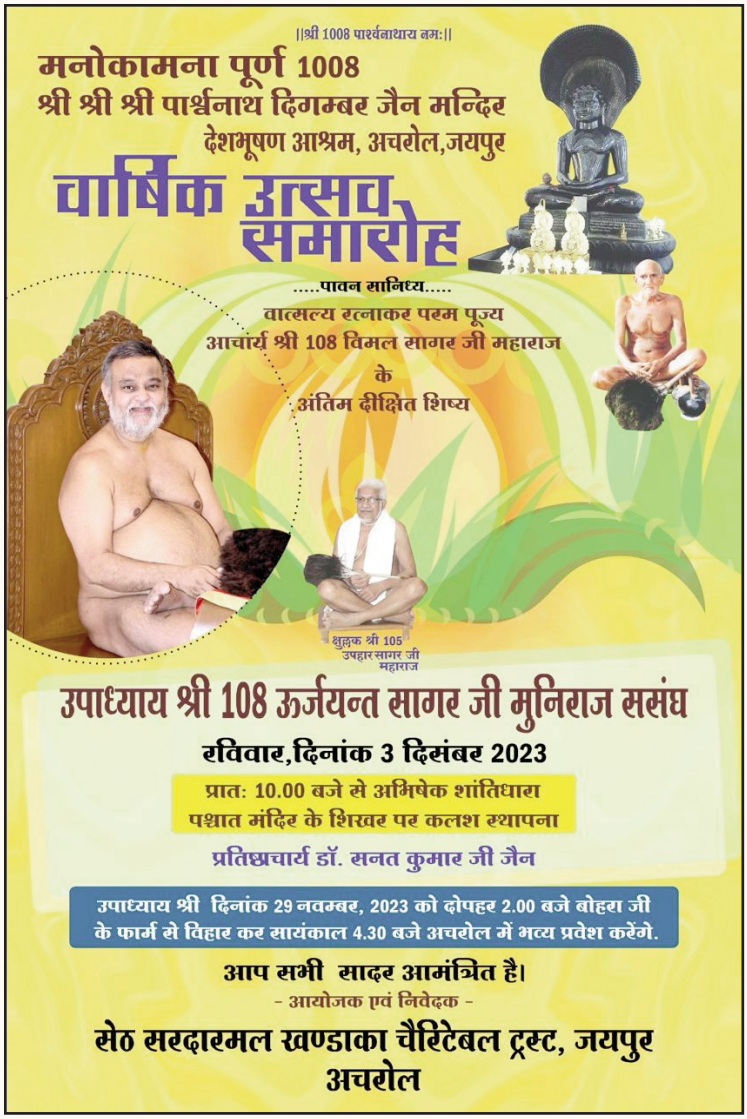

कोलारस में निकली श्री जितेन्द्र देव की भव्य रजत रथयात्रा

जगत कल्याण की कामना के लिए की महा शान्ति धारा

जय जय कर के साथ भक्तों ने उतारी आरती

कोलारस. शाबाश इंडिया

श्रीमद् जिनेन्द्र रजत विमान महोत्सव रथयात्रा एवं वार्षिक कलाशाभिषेक का भव्य आयोजन आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद सकल दिगम्बर जैन समाज पंचायत कमेटी के तत्वावधान में नगर गौरव प्रतिष्ठाचार्य अंसू भइया के मंत्रोच्चार के साथ बड़े जैन मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए उत्सव वाटिका परिसर पहुच कर वार्षिक कलशाभिषेक समारोह में बदल गई जहां भक्तो की जय जय कार के बीच भगवान के कलशाभिषेक किया गया।

वार्षिक महोत्सव का गंधोदक बहुत पावरफुल होता है: विजय धुर्रा

वार्षिक कलाशाभिषेक समारोह में मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि

आज वार्षिक रथयात्रा ऐसी प्रतीत हो रही थी जैसे की बड़े शहर का बहुत बड़ा आयोजन हो क्या युवा क्या महिला मंडल पाठशाला के बच्चो का प्रदर्शन सभी का उत्साह ला जबाब था। मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज कहते हैं कि वार्षिक विमान महोत्सव के गंधोदक की महिमा और शक्ति सबसे न्यारी है सभी को वार्षिक महोत्सव का गंधोदक अपने सिर पर धारण करना चाहिए धर्म हमें जीवन जीने की कला सिखाता है आज भौतिकता की चकाचौंध के वीच धर्म को संभाल कर रखना बड़ी चुनौती है आज बच्चो से लेकर बुजुर्ग तक को सीख देने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। प्रतिष्ठा चार्य अंसू भ इया ने कहा कि हम सब नवीन जिन मन्दिर के लिए अपना दिल खोलकर दान दें और मन वनाये की नौ नौ विशाल जिन प्रतिमाओं को नवीन भव्य जिनलाय में विराजमान करने के लिए सीघ मन्दिर का काम शुरू कर सकें इसके लिए आप सभी का मुक्त हस्त से सहयोग आवश्यक है उन्होंने वार्षिक कलाशाभिषेक एवं जगत कल्याण की कामना के लिए शान्ति धारा के मंत्रोच्चार करते हुए कहा कि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के वावन वे आचार्य पद दिवस पर हमें प्रभु को रथ में विराजमान कर उत्सव मनाने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है

शहर के प्रमुख मार्गों से निकाली गई रथयात्रा

इसके पहले श्री पंचायती बड़े मन्दिर से भगवान जिनेन्द्र देव की रथयात्रा निकाली गई। वार्षिक कलाशाभिषेक में सौधर्म इन्द्र कैलाश चन्द्र सौरव कुमार रवि प्रेस इसान इन्द्र विनोद कुमार सन्तोष कुमार सिघई भोपाल वाले सनत इन्द्र विनोद कुमार माहेन्द्र इन्द्र वावूलाल मयंक कुमार परिवार को मिला। विनोद कुमार सन्तोष कुमार सिघई भोपाल परिवार को समाज के प्रमुख जनों ने पहनाई इस दौरान पूर्व विधायक देवेन्द्र कुमार पत्ता वाले शिवपुरी डी के जैन सहाब प्रमोद चौधरी प्रवीण सर्राफा सुकमाल जैन डॉ महावीर जैन कैलाश चन्द्र जैन शिवपुरी रामेश चन्द्र साखनौर देवेन्द्र जैन लाज पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जितेन्द्र जैन गोटू भ इया नपा अध्यक्ष रविन्द्र शिवहरे जिवंधर साराफ अरुण सिंघई अंकित जैन जिवन्धर जैन शुभंव अजय जैन संजय साखनौर अंकित सराफ सहित अन्य प्रमुख जनो उपस्थित थे ।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन

स्थापना 30 जुलाई 1994

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन

63, महावीर ट्रस्ट, रीगल चौराहा कीर्ति स्तम्भ, इन्दौर (म.प्र.)

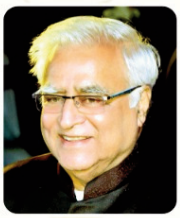

आप अपने उच्च / सामान्य शिक्षित, प्रोफेशनल / व्यवसायरत, सरकारी निजी सेवारत पुत्र/पुत्री हेतु योग्य जीवन साथी चाहते हैं ....

तो आइये... और इस सम्मेलन से जुड़ें जहाँ आपको अंतर्राष्ट्रीय जैन समाज की सभी विश्वसनीय संस्था, ग्रुपों से जुड़े परिवारों द्वारा प्राप्त बायोडाटा के विशाल संग्रह से चयन का मौका प्राप्त होगा।

मुख्य प्रायोजक R K GROUP

प्रायोजक ARL Infratech Ltd.

समाज की बेटी समाज में

प्रायोजक KASLIWAL HONDA INDORE (MP)

दिनांक रविवार 24 दिसम्बर 2023

– स्थान – इन्दौर

युवक–युवती के फोटों युक्त पूर्ण परिचय एवं बहुआयामी जानकारियों सहित आकर्षक बहुरंगीय परिचय पुष्प पुस्तिका का प्रकाशन

विशाल अन्तर्राष्ट्रीय जैन युवक–युवती परिचय सम्मेलन 2023

रजिस्ट्रेशन शुल्क मात्र 800/- रुपये

ऑफ लाइन फॉर्म मंदिर जी में उपलब्ध हैं।

फॉर्म जमा कराने की अंतिम संशोधित तिथि दिनांक 15 दिसम्बर 2023

रजिस्ट्रेशन शुल्क में 1/4 पेज का फोटो सहित परिचय प्रकाशन, पुस्तिका की प्रति, अयोजन स्थल पर भोजन शामिल हैं।

MARKETING BY : Digital India MANISH JAIN +91 9828866677

All Details & Online Submission www.djsgfint.com

क्षेत्रीय प्रभारी–राजस्थान रीजन जयपुर

राजेश बड़जात्या रीजन अध्यक्ष | अनिल कुमार जैन IPS रीजन संस्थापक अध्यक्ष | यश कमल अजमेरा रीजन निवर्तमान अध्यक्ष | सुरेन्द्र कुमार पांडया रीजन परामर्शक | नवीन सेन जैन रीजन परामर्शक एवं प्रभारी | अतुल बिलाला रीजन पूर्व अध्यक्ष | पारस कुमार जैन रीजन कोषाध्यक्ष | निर्मल संघी रीजन महासचिव

मुख्य तकनीकी संयोजक – मनीष सोगानी, तकनीकी संयोजक – अतुल छाबड़ा, सुरेंद्र कुमार जैन, रमेश छाबड़ा, शासकीय सलाहकार – भारत भूषण अजमेरा, प्रचार प्रसार प्रतिनिधि– मनीष बेद, राकेश गोदिका, विनोद जैन कोटरखावदा, बसंत जैन, स्मारिका संयोजक– सुरेश जैन बांदीकुई, सुनील बज, डॉ राजेंद्र कुमार जैन, सुरेश लुहाडिया, डॉ मोहन लाल जैन मणि, अनिल टॉगया, आलोक पाटोदी, श्रीमती वंदा सेठी, डॉ इन्दर प्रकाश जैन, रीजन समन्वयक – मोहन लाल गंगवाल, श्रीमती शकुंतला बिंदायया, राजेश चौधरी, नीरज जैन, सतीश बाकलीवाल, भाग वंद जैन मित्रपूरावाले, श्रीमती सुशीला बड़जात्या, एडवोकेट ममता शाह, क्षेत्रीय संयोजक– विनय सोगानी, कैलाश बिंदायया, प्रमिला शाह, सुनील बड़जात्या, प्रमोद सोनी, महावीर बोहरा, अनिल पाटनी, महेंद्र छाबड़ा, गिरीश जैन, विमल कोठारी, ममता गंगवाल, सुनीता जैन, विजय जैन, पंकज जैन, अजीत बड़जात्या, अनिल संघी, अशोक पाटनी, प्रदीप छाबड़ा, राकेश जैन, सुरेश गंगवाल नरेंद्र जैन (गंगापुर सिटी), राजेन्द्र खंरवाल (दौसा), महावीर प्रसाद जैन परणा वाले (निवाई), Adv. सुरेंद्र मोहन जैन (मालपुरा), महेंद्र कुमार जैन (टोंक), गजेंद्र ढोलिया (सीकर), चन्देश जैन (श्री महावीर जी), अरविंद जैन (सवाई माधोपुर),

निवेदक

शिरोमणि संरक्षक श्रीमती पुष्पा प्रदीप जी कासलीवाल | राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका | निवृत्तमान अध्यक्ष कमलेश कासलीवाल | राष्ट्रीय महासचिव विपुल बाँझल | राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अतुल बिलाला

मुख्य सूत्रधार : यशकमल अजमेरा–जयपुर, सूत्रधार : जे.के. जैन–कोटा, ममता जैन–रायपुर

मुख्य संयोजक : प्रदीप गंगवाल, संजय पापड़ीवाल–इन्दौर राजीव गिरधरवाल–भोपाल, प्रशान्त जैन–जबलपुर प्रधान सम्पादक (स्मारिका) : कीर्ति पाण्ड्या – 9425053439, तकनीकी संयोजक - मनीष सोगानी (जयपुर)

फॉर्म भरने के पश्चात संपर्क करें - 9829067076 - 9785074581 - 9829844533 - 9828866677 -9829220552 - 9413332526

वेद ज्ञान

मनुष्य की तलाश

मनुष्य की तलाश, यह स्वर अक्सर सुनने को मिलता है। यह भी सुनने को मिलता है कि आज आदमी आदमी नहीं रहा। दार्शनिक खलील जिब्रान का कथन है कि ईश्वर का पहला चिंतन था- फरिश्ता और ईश्वर का ही पहला शब्द था मनुष्य। ईश्वर के प्रारंभिक दोनों ही चिंतन आज लुप्तप्राय हैं। इन्हीं स्थितियों के बीच दार्शनिक डॉ. राधाकृष्णन की इन पंक्तियों का स्मरण हो आया, हमने पक्षियों की तरह उड़ना और मछलियों की तरह तैरना तो सीख लिया है, किंतु मनुष्य की तरह पृथ्वी पर चलना और जीना नहीं सीखा है। दार्शनिक गेटे की प्रसिद्ध उक्ति है कि जब कोई आदमी ठीक काम करता है तो उसे पता तक नहीं चलता कि वह क्या कर रहा है, पर गलत काम करते समय उसे हर क्षण यह ख्याल रहता है कि वह जो कर रहा है, वह गलत है। गलत को गलत मानते हुए भी इंसान गलत कार्य किए जा रहा है। इसी कारण समस्याओं और अंधेरों के अंबार लगे हैं। हालांकि ऐसा भी नहीं है, कुछ अच्छे लोग भी हैं, शायद उनकी अच्छाइयों के कारण ही जीवन बचा हुआ है। ऐसी अनेक जिंदगियों को मैंने नजदीक से देखा है। वे सारे फरिश्ते थे, ऐसा मैं नहीं मानता। वे आदमी थे, केवल आदमी। आदमी की सारी अच्छाइयां और कमियां उनमें भी थी। फिर भी मुझे उनमें आदमियत नजर आई। कबीर, दादू, रैदास, आचार्य तुलसी, वल्लभ गुरु आदि को तो पढ़ाई-लिखाई का अवसर ही नहीं मिला, लेकिन संतुलित जीवन और विचारों की साधना ने उन्हें ज्ञानी बनाया और उन लोगों ने जीवन भर उस ज्ञान को लोगों में बांटा। विचारों का असंतुलित प्रवाह नुकसानदेह है, जो इस पर अनुशासन करना सीख लेता है, उसके लिए यह वरदान है और जो इसके वशीभूत होकर अपनी विवेक चेतना खो देता है, वह विनाश की ओर अग्रसर हो जाता है। जीवन के बारे में एक मजेदार बात यह है कि यदि आप सर्वश्रेष्ठ वस्तु से कुछ भी कम स्वीकार करने से इंकार करते हैं तो अक्सर आप उसको प्राप्त कर ही लेते हैं। महात्मा गांधी ने इसीलिए कहा कि हमें वह परिवर्तन खुद में करना चाहिए जिसे हम संसार में देखना चाहते हैं। जरूरत है हम दर्पण जैसा जीवन जीना सीखें। उन सभी वातायनों और खिड़कियों को बंद कर दें जिनसे आने वाली गंदी हवा इंसान को इंसान नहीं रहने देती।

संपादकीय

गंभीरता से चिंतन करने की जरूरत

उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को बाहर निकालने में आखिरकार कामयाबी मिल ही गई। सत्रह दिनों से इकतालीस मजदूर उसमें फंसे थे। शुरू में लगा था कि यह कोई बड़ी समस्या नहीं है और जल्दी उन्हें बाहर निकाल लिया जाएगा। मगर जब राहत और बचाव का काम शुरू हुआ तब अंदाजा हुआ कि यह आसान काम नहीं है। सुरंग में गिरे मलबे को हटाने में हर कदम पर परेशानियां खड़ी होने लगीं। आखिरकार सुरंग के अगल-बगल से खुदाई की कोशिश हुई। उसमें भी कामयाबी नहीं मिल पाई। यहां तक कि खुदाई के लिए जो अत्याधुनिक और शक्तिशाली आगर मशीन लगाई गई, वह भी टूट गई और उसके पुर्जे उसमें फंस गए। तब ऊपर से सीधी खुदाई करके श्रमिकों तक पहुंचने का रास्ता बनाया गया। उसमें भी आखिरी छोर तक पहुंच कर परेशानियां खड़ी हो गई। आखिरकार हाथ से खुदाई करके रास्ता तैयार किया गया। उसमें एक चौड़ी पाइप डाली गई और उसके रास्ते ट्राली की मदद से उन्हें बाहर निकालने का उपाय किया गया। स्वाभाविक ही इस घटना पर पूरे देश की नजरें लगी रहीं और श्रमिकों के परिजनों और आम लोगों को इतने दिनों तक तरह-तरह की आशंकाएं घेरे रहीं। मगर अच्छी बात है कि राहत और बचाव में जुटे विशेषज्ञों ने हिम्मत नहीं हारी और सदा उम्मीद से भरे रहे। सिलक्यारा सुरंग के धंसने की यह घटना निश्चित रूप से सुरंग बनाने के काम में लगे विशेषज्ञों और कंपनियों के लिए एक सबक है। मगर इस पूरे घटनाक्रम में अच्छी बात यह रही कि राहत और बचाव के काम में किसी तरह की कोई लापरवाही नहीं बरती गई। अड़चनें पेश आती रहीं, पर हर मुश्किल से पार पाने के उपाय तलाशे जाते रहे। दूसरे देशों के सुरंग विशेषज्ञों से भी सलाह लेने में देर नहीं की गई। रेलवे से लेकर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन तक जितने भी इस तरह के बचाव कार्य में विशेषज्ञता वाले विभाग हो सकते थे, सबकी मदद ली गई। केंद्र और राज्य सरकार लगातार इस पर नजर बनाए रहीं तथा बचाव कार्य में लगे लोगों का हौसला बढ़ाती रहीं। मगर इसमें सबसे सकारात्मक बात यह रही कि सुरंग में फंसे श्रमिकों ने हिम्मत नहीं हारी और वे उस अंधेरी तंग सुरंग में जीवन की उम्मीद से भरे अपने बाहर निकाले जाने का इंतजार करते रहे। कई दिन बाद जब उन तक कैमरा पहुंचाया जा सका और उन सभी मजदूरों के सुरक्षित होने की सूचना मिली तो बचाव दल का उत्साह और बढ़ गया। इस पूरे राहत और बचाव कार्य में जितनी बड़ी कामयाबी विशेषज्ञों की रही उससे बड़ी कामयाबी श्रमिकों के हौसले की थी। इतने दिन किस तरह के भय और आशंकाओं के बीच उन्होंने सुरंग में अपने को जिंदा रखा, यह बड़े जीवट का उदाहरण है। इस विषम परिस्थिति में भी वे जीवन से निराश नहीं हुए। यों भी पहाड़ों पर ठंड रहती है, फिर दिवाली के बाद लगातार ठंड बढ़ती गई, उसमें उन्होंने किस तरह इतने दिन बिताए होंगे, सोच कर सिहरन होती है। निस्संदेह यह श्रमिकों के हौसले की जीत है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

संकीर्ण सोच...

पाकिस्तानी कलाकारों को भारतीय वीजा देने पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिका को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 28 नवंबर को जो टिप्पणी की, उसके गहरे निहितार्थ हैं। फैज अनवर कुरैशी की इस याचिका पर आला अदालत ने उन्हें उचित सलाह दी कि ''इतनी संकीर्ण सोच मत रखिए।'' अदालत की इस टिप्पणी से न सिर्फ मानवीय मूल्यों की भारतीय स्थापनाओं के प्रति आदर ध्वनित होता है, बल्कि प्रकारांतर से यह टिप्पणी कार्यपालिका के अधिकारों की भी रक्षा करती है, क्योंकि ऐसे फैसले करना सरकार का काम है। याचिकाकर्ता कुरैशी इस वैधानिक नुक्ते से वाकिफ थे, इसीलिए उन्होंने शीर्ष अदालत से गुहार लगाई थी कि पाकिस्तानी गायकों, अदाकारों, संगीतकारों, गीतकारों और तकनीशियनों को भारतीय वीजा न देने के लिए वह गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को निर्देश दे। गनीमत है कि याचिकाकर्ता उसी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं, जिससे पाकिस्तान के बहुसंख्यक कलाकार आते हैं, वरना इसकी व्याख्या सांप्रदायिक नजरिये से की जाती और एक बेकार का वितंडा खड़ा करने की कोशिश होती। आश्चर्य की बात तो यह है कि पिछले ही महीने बॉम्बे हाईकोर्ट ने कुरैशी की याचिका नामंजूर करते हुए कुछ ऐसी ही बातें कही थीं, फिर भी वह शीर्ष अदालत पहुंच गए? बॉम्बे हाईकोर्ट ने साफ कहा था कि देशभक्त होने के लिए किसी व्यक्ति को पड़ोसी देशों से दुश्मन जैसा व्यवहार करने की आवश्यकता नहीं है। जाहिर है, कोई भी देशभक्त नागरिक यही चाहेगा कि उसकी सरहदें न सिर्फ सुरक्षित रहें, बल्कि पुरअमन भी रहें और पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते सुधारने की दिशा में पहल हो। एक देशभक्त नागरिक यह भी नहीं चाहेगा, बल्कि उसे ऐसी कोशिश भी नहीं करनी चाहिए कि देश के जिम्मेदार लोगों का बेशकीमती वक्त खराब हो। जिस देश में करोड़ों मुकदमे निपटारे की बाट जोह रहे हैं, वहां ऊंची अदालतों का वक्त जाया करना किसी अपराध से कम नहीं। ऐसी कुचेष्टा को हतोत्साहित करने के लिए ही अदालतों ने फिजूल की याचिकाएं लगाने वालों पर कई बार भारी जुमार्ने भी लगाए हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि पाकिस्तानी सियासतदां शुरूआत से ही भारत को लेकर एक कुंठा के शिकार रहे हैं, पर उसके कला क्षेत्र, खेल जगत से जुड़ी हस्तियों का रुख भारत व भारतीयों के प्रति अपेक्षाकृत नरम और एहतराम का रहा है। निस्संदेह, इसमें उनके आर्थिक हितों का एक पहलू भी है, मगर एक तथ्य यह भी है कि दोनों मुल्कों में खान-पान, लिबास और जुबान का साझापन है। इस नाते भी उनमें अपनापन स्वाभाविक है। हम जिस दुनिया में जी रहे हैं, उसमें धरती पर खिंची लकीरें कई मायनों में बेमानी हो चुकी हैं। खासकर जिस क्षेत्र से कुरैशी जुड़े हैं, उसमें तो और भी पाकिस्तानी गायक और अदाकार यू-ट्यूब, एक्स, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया मंचों के जरिये बगैर वीजा के ही भारतीय कला-प्रेमियों के दिल में जगह बना रहे हैं। फिर ऐसी मांगों की क्या सार्थकता ? इसके उलट वहां के नागरिक यदि भारतीय तरक्की के गुणग्राही बनते हैं, तो शायद वहां भारत-विरोधियों के बरक्स एक आवाज गढ़ी जा सकती है। कला और खेल के मैदान तो प्रेम व भाईचारे के वाहक हैं, उन्हें संकीर्ण इरादों से इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां इसीलिए मानीखेज हैं। पाकिस्तान वैसे भी अब ग्रंथि पालने का विषय नहीं रहा।

श्री सांवलिया पार्श्वनाथ की भव्य वेदी प्रतिष्ठा एवं रथ यात्रा महोत्सव के तहत हुआ याग मण्ड़ल विधान का आयोजन

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित भव्य वेदी प्रतिष्ठा एवं रथ यात्रा माहोत्सव चार दिवसीय कार्यक्रम में गुरूवार को श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर में श्रावक श्राविकाओं ने याग मण्डल विधान किया गया। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि समाधिस्थ परम पूज्य 108 श्री ब्रह्मानंद सागर महाराज के आशीर्वाद से आचार्य 108 श्री सुव्रत सागर महाराज के पावन सानिध्य व प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी पंडित जयकुमार निशांत टीकमगढ़ के कूशल नेतृत्व, सह प्रतिष्ठाचार्य पंडित राजकुमार जैन पिड़ावा द्वारा भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का कार्यक्रम में गुरूवार को प्रातःकाल अभिषेक, शान्तिधारा, नित्य नियम की पूजन, यन्त्र जी की पूजन, जापोष्ठान, दोपहर को 12 बजे याग मण्डल विधान किया गया। जिसमें सभी इन्द्रो मूल नायक भगवान विराजमान कर्ता विनोद जैन एडवोकेट, त्रिलोक सिंह जैन, सोधर्म इंद्र शैलेंद्र सिंह जैन, ममता जैन कुबेर इंद्र प्रभात जैन, स्मृति जैन ईशान इंद्र डॉ.आदीप जैन ,चंदना जैन महायज्ञ नायक महेंद्र सिंह जैन, श्यामा जैन, यज्ञ नायक अजय जैन, रूचि जैन सानत कुमार कमलचंद जैन स्नेही, अनीता जैन माहेंद्र इन्द्र रमेशचंद जैन ,संगीता जैन आदि इंद्र ने भक्ति भाव से पूजन की रात्रि में भगवान की मंगलमय आरती व भक्ति की गई। उसके बाद पंडित जय कुमार निशांत के प्रवचन हुए उसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम में सभी इन्द्रो का दरबार लगाया गया।

शुभ के संपर्क में रहोगे तो लाभ निश्चित होगाः मुनि ज़िनानन्द

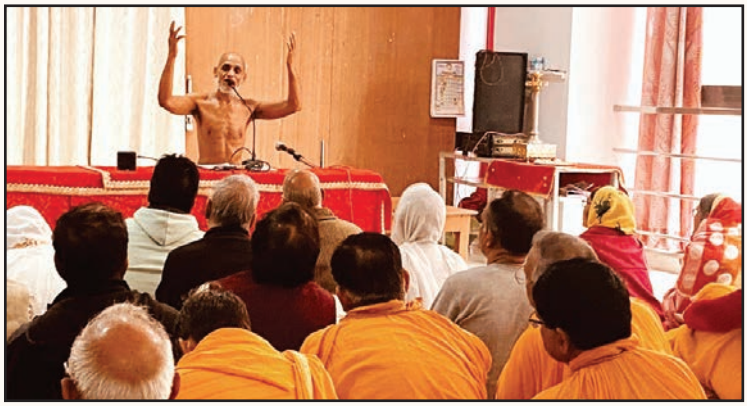

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में आचार्य वसुनंदी जी महामुनिराज के शिष्य मुनि त्रय सर्वानन्दजी, ज़िनानन्दजी व पुण्या नन्दजी मुनिराज के प्रवास से धर्म प्रभावना की बयार चल रही है। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि गुरुवार को प्रातः धर्म सभा में मुनि ज़िनानन्दजी ने अपने प्रवचन में कहा कि यह संयोग है कि आपको सुयोग मिला है जिसका लाभ लेना आप पर निर्भर है। हर योग के दो पहलू है सुख - दुख , लाभ - हानि , शुभ-अशुभ , पाप - पुण्य । यदि आप शुभ के सम्पर्क में है तो लाभ ही लाभ है। मनुष्य का दुश्मन पाप है जिनका क्षय प्रायश्चित से ही संभव है। दिन में स्वाध्याय व शाम को आरती का कार्यक्रम हुआ। सभा में दीप प्रज्वलन प्रकाश गंगवाल ,सुरेश काला व सोनिया बाँदीकुई द्वारा किया गया। आदर्श नगर मन्दिर से पधारे पंकज नवलखा आदि ने मुनिसंघ को प्रवास हेतु श्रीफल भेंट किया साथ ही त्रिवेणी से महावीर प्रसाद व मीरा मार्ग से राजेंद्र झंडावाला भी सभा में उपस्थित रहे।

शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर कामां में हुआ वेदी निस्ठापन कार्यक्रम

कामा. शाबाश इंडिया

कस्बे के शांतिनाथ दिगंबर जैन दीवान मन्दिर में दिगम्बर जैन आचार्य सुनील सागर महाराज के पावन आशीर्वाद एवं प्रथम गणनी आर्यिका विजयमति माताजी की पावन प्रेरणा से नवीन वेदिकाओं के निर्माण के लिए पंडित अजीत जैन शास्त्री रायपुर के मंगल निर्देशन में वेदी निष्ठापन कार्यक्रम विधिविधान से संपन्न हुआ। मन्दिर समिति के महामन्त्री संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि मन्दिर में नवीन वेदिकाओं का निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया तो इस अवसर पर प्राचीन वेदीयों का निष्ठापन सुरेश चंद कैलाश चंद अगोनिया,सचिन जैन,अजय जैन पंसारी,उत्तम चन्द अभिषेक जैन बड़जात्या ,नवीन जैन बड़जात्या द्वारा विधिवत मंत्रोचार के साथ किया गया ।दो नवीन बनने वाली वेदिकाओं में मंगल कलश विराजमान करने का सौभाग्य सत्येंद्र प्रसाद राजेंद्र कुमार धर्मचंद जैन लहसरिया परिवार एवं सुरेश चंद्र पदमचंद कैलाश जैन अगोनिया परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के समस्त पुजारीगण, जैन समाज अध्यक्ष सुभाष चंद्र जैन, उत्तमचंद जैन, प्रदीप जैन बड़जात्या, सुभाष चंद्र जैन बिजली वाले, देवेंद्र जैन बौलखेड़िया, बाबूलाल जैन, नीरज जैन सहित अनेक श्रावक श्राविकाएं उपस्थिति रही।

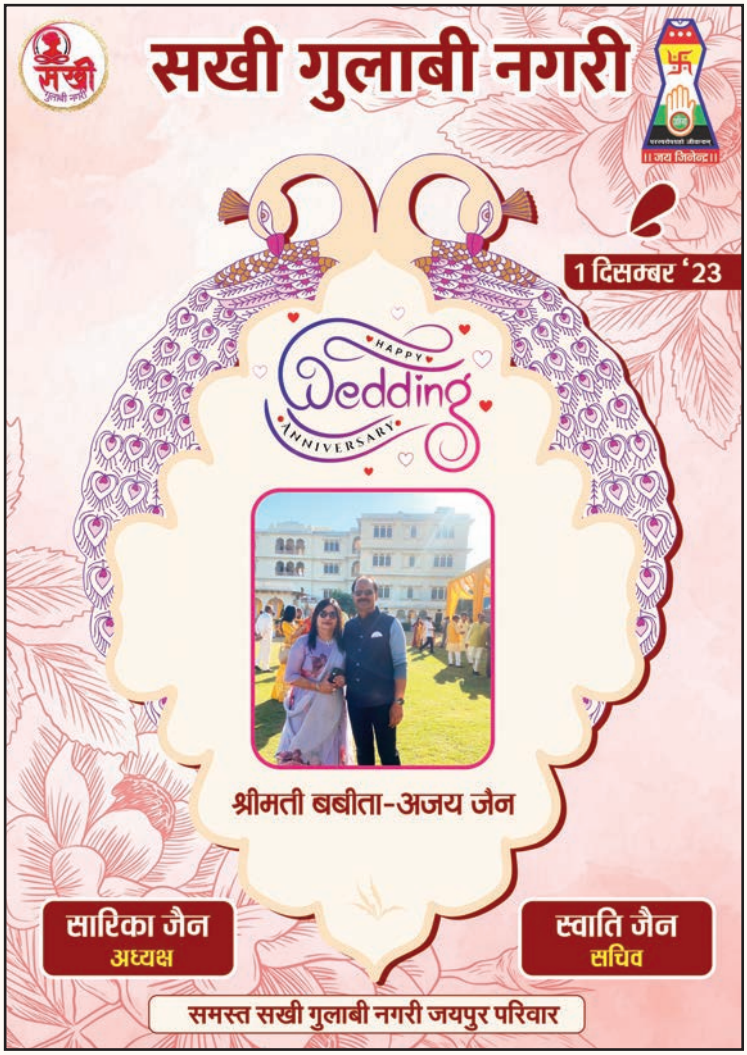

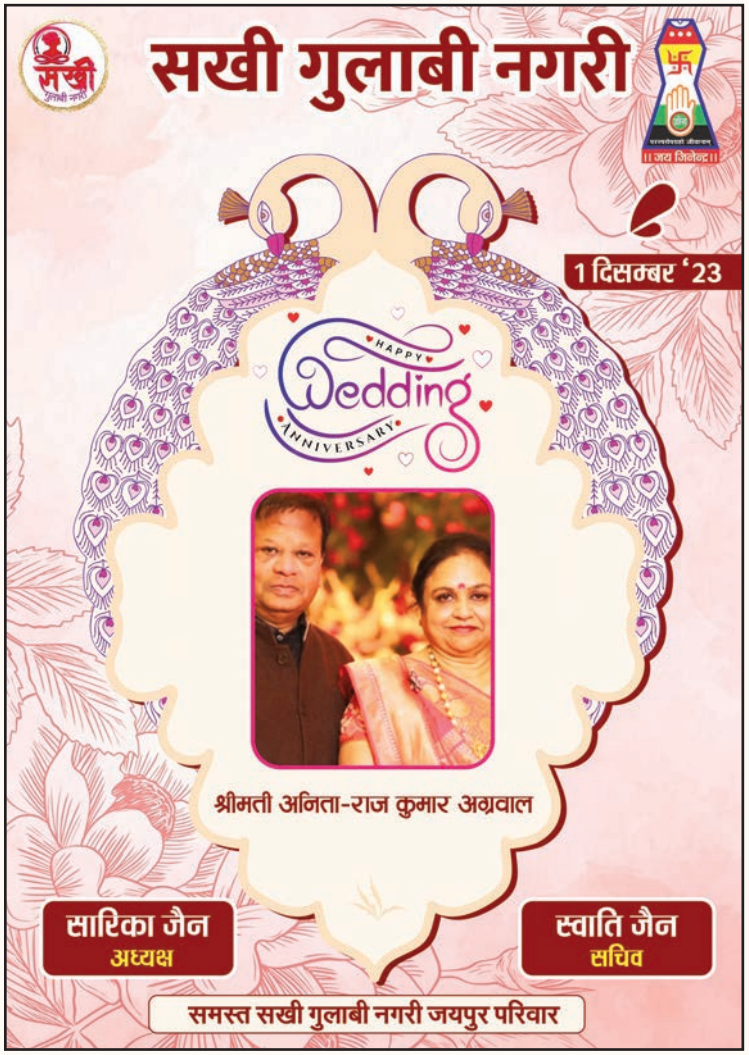

लाडनूं में "सशक्त नारीःसशक्त राष्ट्र" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारम्भ

''ये कैसी तस्वीर बनाई है हमने, सिर पर ताज और पैरों में जंजीर बनाई है हमने'': कुलपति प्रो. सुधि राजीव

लाडनूं. शाबाश इंडिया

हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जन संचार विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुधि राजीव ने देश में महिलाओं की स्थिति का सटीक चित्रण करते हुए कहा है, ''ये कैसी तस्वीर बनाई है हमने, सिर पर ताज और पैरों में जंजीर बनाई है हमने।'' वे यहां इंडियन कौंसिल फोर सोशियल साईंस रिसर्च के प्रायोजन में आयोजित ''सशक्त नारीः सशक्त राष्ट्र'' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में बो रही थी। प्रो. सुधि ने कहा कि महिला जब सशक्त होगी और उसकी समानता की सोच होगी तो निश्वत ही राष्ट्र भी सशक्त बनेगा। जो महिला परिवार की धुरी होती है, उसे समाज और राष्ट्र की भी धुरी बनाया जा सकता है। स्त्री को कमजोर लिंग समझना उसका अपमान करना है, वह पुरूष से भी अधिक श्रेष्ठ साबित होती रही है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम, देश के विभाजन, खादी आंदोलन आदि के उदाहरण देते हुए महिला की सशक्त भूमिका के बारे में बताया और विभिन्न उच्च पदों पर कार्यरत महिलाओं का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नारी के सशक्तिकरण को राष्ट्र की मजबूती बताया। उन्होंने आचार्य तुलसी के महिला उत्थान के कार्यों का उल्लेख भी किया और आचार्य महाप्रज्ञ के महिलाओं के महत्व सम्बंधी उद्धरण प्रस्तुत किए। प्रो. सुधि ने महिलाओं की राजनीतिक भूमिका के बारे में बताते हुए कहा कि उन्होंने राजनीति को संवेदनशीलता प्रदान की है। महिलाएं सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम होती है। वह नई पीढी के लिए संस्कारों का निर्माण करती है। भारत को तीसर सबसे बड़ा देश बताते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं की भूमिका यहां मात्र 10 प्रतिशत ही है। महिलाएं हर क्षेत्र में कामयाब हैं, उनका प्रतिनिधित्व बढाया जाना चाहिए। महिलाएं अपने गुणों से विशिष्ट बनती हैं। यहां जैविभा विश्वविद्यालय में जैनोलोजी व प्रकृत एवं संस्कृत विभागों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए जैविभा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने सामाजिक बदलाव की आवश्यकता बताते हुए कहा कि देश में अभी भी महिलाओं की स्थिति कोई अच्छी नहीं है। महिलाओं में उन्होंने अनेक विशेषताएं बताते हुए कहा कि कार्यनिष्ठा, समयबद्धता, भावनाओं की परख और दृढता के गुण उसे विशेष बनाते हैं। इसी कारण अनेक प्रतिष्ठित संस्थान अपने कार्मिकों में महिलाओं को रखना पसंद करते हैं। उन्होंने राष्ट्र के लिए अपना अभूतपूर्व योगदान करने वाली महिलाओं झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, प्रधानमंत्री रही इंदिरा गांधी और अंतरिक्ष में जाने वाली कल्पना चावला के उदाहरण देते हुए कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी हैं। महिलाओं को उनकी मजबूरियों से मुक्त करना होगा और उन्हें सशक्त बनाना होगा। महिलाओं के सशक्त होने से निश्चित ही राष्ट्र सशक्त बनेगा।

महिला दबी हुई व कुंठित नहीं होनी चाहिए

सेमिनार के विशिष्ट अतिथि राजस्थान प्राकृत भाषा एवं साहित्य अकादमी के अध्यक्ष प्रो. धर्मचंद जैन ने कहा कि अर्थ-सम्पन्न, आयुध-सम्पन्न शक्तिशाली, मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ, शुद्ध व संरक्षित पर्यावरण, भ्रष्टाचार रहित, नैतिक व चरित्र युक्त राष्ट्र, आत्मनिर्भर राष्ट्र इन सभी गुणों से सम्पन्न देश को ही सशक्त राष्ट्र कहा जा सकता है। इस उपलब्धि में महिला व पुरूष दोनों का ही योगदान रहता है। दोनों प्रकृति की देन है और दोनों से ही जगत का संचालन संभव है। स्त्री को कुंठित और दबी हुई नहीं होना चाहिए, इसी कारण उसे ऊंचा उठाने की बात कही जाती है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम द्वारा उसे 33 प्रतिशत आरक्षण देकर सबल बनाने का प्रयास हुआ है। नारी के लिए चरित्रनिष्ठा, स्वतंत्रता, निर्भयता, विवेकशक्ति सम्पन्नता, आत्मनिर्भर होना, सीखने की प्रवृति, संतुलन व समन्वयवादिता, सहिष्णुता आदि गुणों की आवश्यकता रहती है। इनके आने से ही वह सशक्त नारी बन पाएगी और राष्ट्र के लिए भी अपना योगदान देकर सशक्त राष्ट्र निर्मित कर पाएगी। कार्यक्रम का प्रारम्भ संरस्वती पूजन से किया गया। मुमुक्षु शैफाली ने प्रारम्भ में मंगलगान प्रस्तुत किया। जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म व दर्शन विभाग की विभागाध्यक्षा प्रो. समणी ऋजुप्रज्ञा ने स्वागम वक्तव्य प्रसतुत किया और सेमिनार की विषयवस्तु सबके सामने रखी। प्राकृत व संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन ने अतिथि परिचय प्रस्तुत किया। अंत में डॉ. रामदूव साहू ने आभार ज्ञापित किया। राष्ट्रीय सेमिनार में प्रो. नलिन के. शास्त्री, प्रो. दामोदर शास्त्री, प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, प्रो. बीएल जैन, प्रो. सुषमा, प्रो. रेखा तिवाड़ी, डॉ. घनश्यामनाथ कच्छावा, राकेश कुमार जैन, डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत, डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़, डॉ. लिपि जैन, पंकज भटनागर, प्रगति चौरड़िया, डॉ. मनीषा जैन, डॉ. सुनीता इंदौरिया, डॉ. आयुषी शर्मा आदि के अलावा देश के विभिन्न भागों से आए सम्भागीजन उपस्थित रहे।

सुमतिप्रकाशजी म.सा. जैसे महान तपस्वी संत व आराधक का मिलना दुर्लभः इन्दुप्रभाजी म.सा.

नवकार महामंत्र जाप एवं आयम्बिल तप में समर्पित सुमतिप्रकाशजी म.सा. का जीवन हमारे लिए आदर्श। पूज्य सुमतिप्रकाशजी म.सा. के देवलोकगमन पर बापूनगर महावीर भवन में भावाजंलि सभा

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्रमण संघ के सलाहकार पूज्य सुमतिप्रकाशजी म.सा. का देवलोकगमन केवल निहाल परम्परा के लिए ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण श्रमण संघ ओर जिनशासन में आस्था रखने वालों के लिए अपूरणीय क्षति है। ऐसे महान तपस्वी संत व आराधक का मिलना दुर्लभ होता है। उनका पूरा जीवन ही धर्म प्रभावना के लिए समर्पित रहा ओर उनके गुणों को अपने जीवन में अंगीकार कर सके तो हमारा जीवन भी सार्थक हो सकता है। ये विचार मरूधरा मणि महासाध्वी जैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या वात्सल्यमूर्ति इन्दुप्रभाजी म.सा. ने गुरूवार सुबह श्री श्वेताम्बर जैन स्थानकवासी श्रावक समिति संघ महावीर भवन बापूनगर के तत्वावधान में पूज्य सुमतिप्रकाशजी म.सा. के देवलोकगमन पर आयोजित भावाजंलि सभा में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कई बार उनके दर्शन-वंदन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जब भी उनका सानिध्य मिला हमेशा सीखने को मिलता रहा ओर वह ज्ञानवान के साथ सहजता व सरलता की प्रतिमूर्ति प्रतीत हुए। पूज्य गुरूदेव रूपचंदजी म.सा. को शेरे राजस्थान की पदवी भी उन्होंने मेरठ आगमन पर प्रदान की थी। भविष्य में वह पूरे देश में इसी नाम से पहचाने जाने लगे। आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा. ने कहा कि पूज्य सुमतिप्रकाशजी म.सा. ने अपने गुरू पूज्य शांतिस्वरूपजी म.सा. से ऐसे संस्कार व ज्ञान प्राप्त किए कि उनका पूरा जीवन ही हमारे लिए आदर्श बन गया। नवकार साधक एवं आयम्बिल आराधक ऐसे महान तपस्वी रत्न का संसार से चले जाना सम्पूर्ण समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके शिष्य रत्न भी उनके दिए संस्कारों को अपने जीवन में अंगीकार की धर्म साधना में लगे है। उनके शिष्य डॉ. विशालमुनिजी म.सा. को 13 वर्ष की संयम साधना पर उनके ज्ञान से प्रभावित होकर श्रमण संघ के द्वितीय पट्टधर आचार्य आनंदऋषिजी म.सा. ने उपाध्याय की पदवी प्रदान की। प्रबुद्ध चिन्तिका डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि सभी संत-साध्वियों के प्रति अपार स्नेह व सहयोगी भाव रखने वाले पूज्य सुमतिप्रकाशजी म.सा. का गुरूदेव रूपचंदजी म.सा. से भी अटूट स्नेह सम्बन्ध था। इतना स्नेह ओर सम्बन्ध जहां संतों में होता है वह संघ ओर समाज दोनों खुशहाल रहने के साथ प्रगति करते है। जिनशासन के महान आराधक ओर पिछले पचास वर्ष से अधिक समय से आयम्बिल तप की एकान्तर साधना में रत पूज्य सुमतिप्रकाशजी म.सा. को श्रमण संघ के आचार्य देवेन्द्रमुनिजी म.सा. ने भीष्म पितामह की उपाधि प्रदान की थी। ऐसे महान संत का भव परिवर्तन हो जाना समाज के लिए तो अपूरणीय क्षति है। उनको अंतिम विदाई देने मेरठ में जिस तरह जनसमूह उमड़ा वह बताता है कि आमजन के मन में उनके लिए कितना सम्मान ओर स्नेह था। ऐसे नवकार मंत्र साधक ओर आयम्बिल आराधक को साध्वी मण्डल की तरफ से भावाजंलि अर्पित करते है। तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. ने श्रद्धांजलि स्वरूप भजन ''इस माटी को नमन है, सुमतिप्रकाशजी म.सा. को शत-शत नमन वंदन है'' की प्रस्तुति दी। भावाजंलि सभा में आगमरसिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. एवं आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। श्री अरिहन्त विकास समिति युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़, निलेश कांठेड़ आदि ने भी पूज्य सुमतिप्रकाशजी म.सा. के देवलोकगमन पर भावाजंलि अर्पित करते हुए विचार व्यक्त किए। बापूनगर श्रीसंघ के महामंत्री दलतप सेठ ने चार लोगस्स का पाठ श्रवण कराया। सभा का संचालन करते हुए बापूनगर श्रीसंघ के मंत्री अनिल विश्रोत ने संघ की तरफ से भावाजंलि अर्पित की। सभा में बापूनगर श्रीसंघ के संरक्षक लादूलाल बोहरा, अध्यक्ष कमलेश मुणोत,उपाध्यक्ष प्रकाश नाहर, श्री अरिहन्त विकास समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा, श्री पार्श्वनाथ नवयुवक मण्डल के संरक्षक मनोज बाफना, अध्यक्ष राजेन्द्र सेठिया, महिला मण्डल की अध्यक्ष आशा चौधरी,मंत्री रेखा नाहर सहित कई पदाधिकारी एवं श्रावक-श्राविकाएं मौजूद थे। पूज्य इन्दुप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा के शुक्रवार सुबह 9 बजे से प्रवचन बापूनगर महावीर भवन में होंगे।

न्यू आजादनगर से विहार कर पहुंचे बापूनगर महावीर भवन

पूज्य इन्दुप्रभाजी म.सा., आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., प्रबुद चिन्तिका डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा., तत्वचिन्तिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा., तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. गुरूवार सुबह डी-सेक्टर न्यू आजादनगर से विहार कर बापूनगर स्थित महावीर भवन पहुंचे। सुबह तेज सर्दी व कोहरे के बावजूद विहार सेवा देने के लिए कई श्रावक-श्राविकाएं पहुंचे थे। आजादनगर से विहार कर पन्नाधाय सर्किल, ईएसआई हॉस्पिटल रोड से होते हुए महावीर भवन पहुंचने तक मार्ग में जगह-जगह श्रावक-श्राविका जुड़ते गए ओर भगवान महावीर स्वामी व पूज्य गुरूणी मैया के जयकारे लगाते रहे। विहार यात्रा में न्यू आजादनगर, बापूनगर, चन्द्रशेखर आजादनगर क्षेत्र में निवासरत कई श्रावक-श्राविकाएं शामिल थे।

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

विचारों से व्यक्ति बनता है महान

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी जिला-टोंक (राज.) में विराजमान गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में धर्म ध्यान , साधना , स्वाध्याय की श्रृंखला प्रतिदिन बना हुआ। साथ ही भक्तों का तांता भी दर पर लगा रहता है । पूज्य माताजी के मुखारविन्द से अभिषेक शांतिधारा करने कर लिए निवाई , कोटा आदि स्थानों से भक्तों का मेला लगा है। पूज्य माताजी ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि - विचार उपजते हैं वृत्तियों से। उन वृत्तियों से, जो हमारे अच्छे या बुरे होने का निर्धारण करती हैं। किसी साधारण व्यक्ति को महानता की ओर ले जाने वाले हमारे विचार ही होते हैं । हमारी भीतरी वृत्तियां हमारी दिशा निर्धारित करती है कि हम किस ओर जा रहे हैं। अच्छाई की ओर या बुराई की ओर। लेकिन मात्र वृत्तियों से इस बात की पहचान नहीं हो सकती कि अमुक व्यक्ति अच्छा है या बुरा। वृत्तियों को अभिव्यक्ति देते हैं उसके विचार और विचारों से ही यह तय किया जा सकता है कि वह व्यक्ति कैसा है। विचार हमारी सकारात्मक या नकारात्मक वृत्तियों को अभिव्यक्ति देते हैं। यदि हम सकारात्मक वृत्तियों को अपनाते है, तो निश्चित तौर पर हमारे विचार भी अनुकरणीय होंगे। आगामी 10 दिसम्बर 2023 को होने वाले पिच्छिका परिवर्तन एवं 108 फीट उत्तुंग कलशाकार सहस्त्रकूट जिनालय के भव्य शुभारम्भ में सम्मिलित होकर इस सुअवसर में साक्षी बनकर पुण्यार्जन करें ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर द्वारा धार्मिक यात्रा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया।
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर एवं सिटिजन यात्रा क्लब के संयुक्त तत्वावधान में धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया ।यह यात्रा मानसरोवर के थडी मार्केट, राजावत फार्म(इस मंदिरजी में दर्शनकर 105भरतेश्वरमति माताजी,भव्यमति माताजी व अन्य माताजी व संघ के दर्शनकिये व आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्रवचन सुना), इंजीनियरिंग सोसाइटी शान्ति दिगम्बर जैन मंदिर मान्यावास, मुनिसुव्रतनाथ मंदिर मान्यावास ,वरुण पथ,राधाविहार, कमला नेहरुनगर, भांकरोटा व बड के बालाजी दिगम्बर जैन मंदिरों के दर्शन किए। मान्यावास मुनिसुव्रतनाथ मंदिर दर्शन के बाद सभी सदस्यों को नाश्ता कराया गया जिसकी व्यवस्था महेन्द्र-निर्मला सेठी ने की। यात्रा में नरेंद्र कुमार-विनिया,कर्नल महावीर-रजनी, डां.एम.एल जैन 'मणि'-डां शान्ति जैन 'मणि' ,कमल किशोर ,कैलाश सोगानी,श्रीमति विजयलक्ष्मी (बेला), पुष्पा मालपुरा आदि ने धर्मलाभ उठाया। यात्रा के अन्त में सभी ने बड के बालाजी दर्शन कर भोजन का आनन्द लिया। ग्रुप अध्यक्ष डां.एम.एल जैन 'मणि' ने सभी यात्रियो का आभार व्यक्त किया।

नवीन वेदिका में जिनबिम्ब स्थापित हुये

पिपलोन/आगर मध्य प्रदेश. शाबाश इंडिया

श्री 1008 अतिशय क्षेत्र पिपलोन जिला आगर में दिनांक 29 नवंबर को नवीन वेदी प्रतिष्ठा समारोह संपन्न हुआ। राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि कोटा ने जानकारी देते हुवे बताया कि नवीन वेदी पर भगवान की प्रतिमाओं को विराजमान किया गया । चतुर्थ कालीन मनोहरी महावीर भगवान की भव्य अतिशय युक्त प्रतिमा जी यहां विराजमान है । जो भी भक्त श्रद्धा भक्ति और समर्पण के साथ यहां जो आश लेकर आते हैं वह पूर्ण होती है। प्रत्येक अमावस को पूनम को श्रद्धालुओं का शेलाब उमड़ता हैं। मूलनायक भगवान महावीर स्वामी की मनोहारी प्रतिमा को अन्य मंदिरों पर विराजमान करने के लिए जंजीरों से बांधकर क्रेन के माध्यम से ले जाने का प्रयास किया गया लेकिन प्रतिमा जी 1 इंच भी नहीं मिली आज भी जंजीरों के निशान प्रतिमा पर अंकित है। यही आपकी प्राचीनता ऐतिहासिकता प्रामाणिकता और पुरातत्व का दिग्दर्शन है। पिपलोन में एक ही जैन परिवार है। मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रदीप जैन बाकलीवाल विशेष सहयोगी महेंद्र जैन बाकलीवाल ने बताया कि पिपलोन जी में 27/11 से 29/11 तक चले नवीन वेदी प्रतिष्ठा महाअनुष्ठान में आज दिनांक 29 नवंबर को श्री शांतिनाथ जिनबिम्ब व श्री चन्द्र प्रभु भगवान को सम्पूर्ण विधि विधान के साथ नवीन वेदिका जी में उच्चासन पर विराजमान किया गया । चर्या शिरोमणि परम पूज्य आचार्य 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के शिष्य परम् पूज्य श्रमण रत्न 108 सुप्रभसागर जी एवं प्रणतसागर जी महाराज के ससंघ पावन सानिध्य में चल रहे एतिहासिक आयोजन में पूज्य मुनि श्री ने कहा कि रुपुण्यात्मा की सम्पत्ति ही पुण्य कार्य में लगती है। आज पूज्य श्री के समक्ष अतिशय क्षेत्र पिपलोन ट्रस्ट कमेटी ने संत वसतिका एवं अतिथि भवन धर्मशाला को बनाने का संकल्प किया। प्रतिष्ठाचार्य अखिलेश शास्त्री रमगढा.शाहगढ़ जि-सागर के मार्गदर्शन में सम्पूर्ण विधि के साथ तीन दिवसीय आयोजन सानंद सम्पन्न हुआ। संगीत की सु मधुर ध्वनियों में इंद्र इंद्राणियो को अंश जैन एंड पार्टी ने खूब भक्ति रस में डुबोया। इस अवसर पर मंदिर समिति के विशेष सहयोगी महेंद्र जैन सचिव सुनील जैन उपाध्यक्ष दिनेश जैन गोधा सदस्य जिनेद्र जैन उपस्थिति थे।

श्री नेमिनाथ जिन बिम्ब पंचकल्याणक महोत्सव के अंतिम दिन मोक्ष कल्याण एवं विश्व शांति महायज्ञ का हुआ आयोजन

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्रुत संवेगी मुनिश्री आदित्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में श्री नेमिनाथ जिन बिम्ब पंचकल्याणक महोत्सव के अंतिम दिन मोक्ष कल्याण एवं विश्व शांति महायज्ञ अग्निकुंड में पूणार्हुति के साथ संपन्न हुआ। सारा वातावरण सुगंध में हो गया। बड़ी संख्या में श्रावक- श्राविकाएं उपस्थित थे। समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि प्रातकाल में मोक्ष कल्याण की पूजा के उपरांत नेमिनाथ भगवान का मोक्ष हो गया। अग्नि कुमार ने केश व नाखून की अग्नि में संस्कार की पूरी क्रियाएं की गई। मुनिश्री आदित्य सागर महाराज ने धर्म देशना में कहा कि इस पावन क्षण में प्रत्येक जीव कर्मों से मुक्त होकर निर्वाण को प्राप्त हो। भगवान के पंचकल्याणक में जिन्होंने पुरुषार्थ के द्वारा विशुद्ध के साथ कार्य किया। उन सबको आशीर्वाद। जिन्होंने गुरुओं की अंजलि में अन्न दिया उनके घरों में अन्न की कमी कभी नहीं आएगी। उनका मोक्ष मार्ग प्रशस्त होगा। देव- शास्त्र- गुरु को दिया गया समय अनंत गुणों से फलित होता है। पंचकल्याणक में 141 प्रतिमाएं प्रतिष्ठित हुई जो कर्नाटक, अन्य स्थानों के 28 मंदिरों में प्रतिमाएं स्थापित होगी। मंगलकारी के साथ आयोजकों को जो भी कार्य करने को कहा उसे पूरा निर्वाह किया, उन्हें भी आशीर्वाद। इस दौरान तीन पुस्तकों का भी पूणयार्जक परिवारजनों द्वारा विमोचन किया गया। पंचकल्याणक में स्थापित मंगल कलशो को कई परिवारजनों को लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने कहा कि मुनीससंघ के आशीर्वाद से पंचकल्याणक महोत्सव सफल रहा। सकल दिगंबर जैन समाज, महावीर सेवा समिति, युवाओ के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। सभी ने तन- मन- धन से पूरा सहयोग दिया। मेरे द्वारा किसी को दुख पहुंचाया, कहने सुनने में कुछ आ गया हो उसके लिए भी मैं सभी क्षमा मांगता हूं। दोपहर 3:00 बजे मुनीससंघ का विहार आरके कॉलोनी के लिए हो गया।

शिष्य की उपलब्धियों से प्रमुदित : आचार्य पुष्पदंत सागर जी महाराज

आराध्य धाम में मानस्तम्भ जिन बिम्ब के पंचकल्याणक महोत्सव का शुभारम्भ

फरीदाबाद. शाबाश इंडिया

सेक्टर 88 में स्थित लोकप्रिय जैन तीर्थ आराध्य धाम में नव निर्मित मानस्तम्भ के पंचकल्याणक समारोह हेतु आचार्य अरुण सागर महाराज के गुरु, पुष्पगिरि प्रणेता आचार्य पुष्पदंत सागर महाराज का आज यहाँ मंगल प्रवेश हुआ। आज सुबह दिल्ली मॉडल टाउन से भक्तों संग मंगल विहार करते हुए गुरुदेव संध्या 4:0 बजे आराध्य धाम पहुँचे। अमोलिक चौक पर आचार्य अरुण सागर महाराज ने अपने गुरूजी के श्री चरणों में त्रि प्रणाम निवेदित कर श्रद्धा ज्ञापित की, उपस्थित जन समूह ने पुष्प वर्षा कर आनंद की अभिव्यक्ति की। बैंड बाजों की सुरीली स्वर लहरियों, भक्तों के मंगल गीत, श्रद्धा नृत्य व जय जय कार के स्वर, गुरु चरणरज पाने को आतुर भक्त समूह, जैन शासन के लहराते ध्वजों संग आचार्य संघ की पदयात्रा 2 किलोमीटर से अधिक चली। दिगम्बर संत व नंगे पैर चलते हुए भक्त आस्था, श्रद्धा व भक्ति भाव सभी के मन में जगा रहे थे। एस. आर. एस. रेजीडेंसी, बी. पी. टी. पी. कालोनी, व आराध्य धाम के पास गुरुदेव का पादप्रक्षालन भक्तों ने किया, सडक के दोनों ओर महिलाओ द्वारा बनायी गयी रंगोली बहुत आकर्षक थी। पंचकल्याणक समारोह स्थल पर आचार्य पुष्पदंत सागर जी का पादप्रक्षालन उनके अनुरागी शिष्य अरुण सागर महाराज ने जल, दुग्ध, पुष्प, लोंग व चन्दन से कर अपनी असीम श्रद्धा अभिव्यक्त की.उन्होंने कहा कई वर्षो से मेरे नयन गुरुदेव के बारे आगमन की राह देख रहे थे, विगत वर्ष जब गुरुदेव का चातुर्मास मुजफ्फरनगर में सम्पन्न हुआ तो मेरी कामना मूर्तरूप लेने लगी व आज उनकी चरणरज इस धरा पर प्राप्त कर मैं असीम शांति, तृप्ति व आनंद का अनुभव कर रहा हूँ. यह आराध्य धाम तीर्थ मेरी गुरूजी के प्रति भक्ति, श्रद्धा, साधना व सम्मान का सुफल है। आज मेरा मन भक्त शबरी की तरह उल्लासित है जब प्रभु राम उनकी कुटिया में आये थे। आचार्य पुष्पदंत सागर जी अपने अनुरागी शिष्य की कृति आराध्य धाम तीर्थ देख हर्षित थे. पृकृति के सुरमय वातावरण में स्थित भव्य मंदिर देख उन्हें अपार आनंद हुआ. उन्होंने कहा मेरे किसी भी शिष्य ने इतने सुन्दर तीर्थ का सृजन अभी तक नहीं किया।इसके पूर्व आज सुबह पंचकल्याणक महोत्सव का शुभारम्भ हुआ. जिनभिषेक के पश्चात अपने सिरों पर मंगल कलश लेकर सौभाग्यवती महिलाओ व भक्तों की शोभायात्रा जिनेन्द्र देव को लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंची जहाँ ध्वजारोहन, मंडप उदघाटन , वेदिका उदघाटन के कार्यक्रम श्रावक श्रेष्ठियो द्वारा सम्पन्न किये गये.तत्पश्चात पूजन, विधान के पश्चात भगवान के गर्भकल्यानक की पूर्व क्रियाये बड़ी श्रद्धा पूर्वक पंडित प्रतिष्ठाचार्य नरेश कुमार जैन हस्तिनापुर के द्वारा सम्पन्न कराई जा रही हैं। इस कार्यक्रम में प्रभु के जीवन का साकार मंचन 5 दिनों में सम्पन्न होगा। नगर, दिल्ली के आस पास के भक्त कार्यक्रम में उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं' श्री दिनेश जैन, अजय जैन, आर. के. जैन, सुशील जैन, अमित जैन, अवनीश जैन, सी. ए. गोपाल कृष्ण जैन, सुरेंद्र जैन, एम. के. सेठी, आर. सी. जैन, धीरज जैन, अनुपम जैन, इंजिनियर एस. के. जैन एन. टी. पी. सी., डॉ सुभाष जैन, एम. एल. जैन, इंजिनियर डी. के. जैन,मनोज जैन, राजीव जैन, नमोकार किटी ग्रुप, वर्धमान महावीर सेवा सोसाइटी, जैन समाज फरीदाबाद व जैन इंजिनियर सोसाइटी की सक्रिय सहभागिता कार्यक्रम में हो रही है।

संगिनी मैन उदयपुर द्वारा रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

संगिनी मैन उदयपुर द्वारा विज्ञान समिति प्रांगण में रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ दीपावली सेलिब्रेशन किया गया । नमस्कार मंत्र, फेडरेशन सूत्र व मंगलाचरण से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में मेवाड़ रीजन की संगिनी कन्वीनर मधु खमेसरा, कोऑर्डिनेटर डॉ कौशल्या जैन, शकुंतला पोरवाल, जोन कोऑर्डिनेटर रेखा जैन, मंजू गांग एवं उर्मिला शिशोदिया को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने अपने स्वागत उद्बोधन में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि ग्रुप के सदस्यों के सहयोग से संगिनी मैन ग्रुप द्वारा लगभग 5 लाख का सेवा कार्य किया जा चुका है व संगिनी मैन ग्रुप को पिछले छः महीने के उत्कृष्ट कार्य हेतु मेवाड़ रीजन द्वारा एक्सीलेंस अवॉर्ड एवं जैन सोशल ग्रुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन से तीन अवार्ड इस प्रकार अल्पावधि में ही ग्रुप को कुल चार अवार्ड प्राप्त हो चुके हैं। आशीर्वचन ग्रुप की संस्थापक अध्यक्ष शकुंतला पोरवाल द्वारा दिया गया। दीपावली स्नेह मिलन के अवसर परे ''लक्ष्मी पूजन थाली सजाओ'' प्रतियोगिता एवं ''रेट्रो थीम'' प्रतियोगिता आयोजित की गई। ग्रुप सदस्यों द्वारा रेट्रो थीम पर धमाकेदार प्रस्तुतियां दी गई। रेट्रो थीम प्रतियोगिता में प्रथम- संजीता रानी कोठारी एवं डॉ शिखा लोढ़ा ,द्वितीय - सुषमा जैन एवं तृतीय लक्ष्मी कोठारी व कविता जैन रही। साथ ही थाली सजाओ प्रतियोगिता में प्रथम- विमला जैन, द्वितीय- ललिता शाह एवं तृतीय खुशबू जैन रही। दोनों प्रतियोगिताओं के सभी प्रतिभागियों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार डॉ पुष्पा कोठारी के सौजन्य से प्रदान किए गए। ग्रुप द्वारा इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी संगिनी सदस्यों को सरप्राइज गिफ्ट प्रदान किया गया। ग्रुप सदस्य छाया मेहता द्वारा मासखमण तप करने पर अभिनंदन किया गया। सेल्फी विद डॉटर प्रतियोगिता में मेवाड़ रीजन स्तर पर शशि कंठालिया के सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने पर उनका भी सम्मान किया गया। आभार सचिव स्नेहलता पोरवाल द्वारा ज्ञापित किया गया। इस कार्यक्रम का संयोजन व संचालन ग्रुप की कार्यकारिणी सदस्य आशा मोगरा व नमिता मेहता द्वारा किया गया। कार्यक्रम में लगभग 110 सदस्यों की उपस्थिति रही। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम से पूर्व सभी ने गरमा गरम पनीर पकौड़े, कुकीज, मठरी,चाय कॉफी आदि का आनंद लिया। कार्यक्रम समाप्ति पर सभी ने लजीज भोजन का लुफ्त उठाया। यह जानकारी ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने दी।